

भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर के संयुक्त निदेशालय प्रसार शिक्षा द्वारा आज एक किसान मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस किसान मेला में बरेली जनपद के बड़ी संख्या में किसान लाभान्वित हुए। इस किसान मेला में नार्म हैदराबाद से क्षेत्र प्रशिक्षण के तहत आए 06 नए वैज्ञानिकों ने भाग लिया।



मेला के उदघाटन अवसर पर बोलते हुए मुख्य अतिथि अर्बन कोऑपरेटिव बैंक, बरेली की अध्यक्षा श्रीमति श्रुति गंगवार ने कहा कि मेरा यह मानना है कि कृषि एवं किसान हमारे भारतवर्ष की आत्मा है। हमारी रूह है और जब तक हम समृद्ध किसान की बात नहीं करेंगे तब तक हम अपने देश का अपने समाज को विकसित करने की बात नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि आज हमें अपनी कृषि एवं पशुपालन को वैज्ञानिक तरीके से करने की जरूरत है और इसके लिए हमारे देश के वैज्ञानिक नित नए अनुसंधान में लगे रहते हैं। उन्होंने किसानों का कहा कि आज आईवीआरआई के वैज्ञानिकों के द्वारा आए हैं आपको अपनी समस्याओं को इन वैज्ञानिकों को बताना है ये उसका समाधान बताएंगे इसी प्रकार इन जानकारियों को हमको अपने कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र में उनका प्रयोग करना है तभी हम विकसित भारत के संकल्प को पूरा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जब तक हमारा किसान, हमारा कृषि क्षेत्र समृद्ध नहीं होगा, विकसित नहीं होगा तब तक हम एक विकसित भारत का सपना हमने

देखा है 2047 तक वो पूरानहीं हो पाएगा तो हम सभी लोगों को मिलकर काम करना है। उन्होने आईवीआरआई के निदेशक एवं पूरी टीम को मेला आयोजन के लिए बधाई दी।



इस अवसर पर संस्थान निदेशक डॉत्रिवेणी दत्त ने कहा कि यह एक ऐसा प्लेटफार्म है जिसमें आप लोगों से हमें सीखनेको मिलता है और हमें आप लोगों को सिखाने का मौका मिलता है। उन्होने कहा कि इन किसान मेलों से एक तो जहां किसानों के बीचसंवाद कायम होता है वहीं दूसरी ओर किसानों को पशुपालन की नवीन तकनीकियों के बारे में भी जानकारी दी जातीहै। इसके अतिरिक्त भारत सरकार तथा उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही स्कीमों की जानकारी हमारे किसान एवं पशु पालकभाइयों को मिलती है। उन्होने किसानों एवं पशु पालकों के कहा कि आप निरंतर संस्थानके संपर्क बनाए रखिए।

डॉ दत्त ने आगे बताया कि भारत सरकार द्वारा पशु पालकों के पशुओं काविभिन्न बीमारियों का निशुल्क टीकाकरण हो रहा है। इसके अतिरिक्त किसान एवं पशुपालकभाइयों के लिए कई स्कीम संचालित कि जा रही है। 03 से लेकर 18 अक्टूबर



तक भारत सरकार ने एक बहुतमहत्वपूर्ण कदम उठाया है जिसमें विकसित संकल्प कृषि अभियान

के तहत सभी हमारे वैज्ञानिक बंधु, रामपुर, बरेली और बदायूं जनपद में उत्तर प्रदेश सरकार एवं केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों के साथ आप लोगों के पास आएं। आप इसका अवश्य लाभ उठाएँ।



संयुक्त निदेशक प्रसार शिक्षा डॉरूपसी तिवारी ने हमारा मुख्य उद्देश्य यह है कि हम आपको यह बता पाए की संस्थान ने पशुपालन और पशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में क्या प्रगतियां की है और इन प्रगतियों का लाभ आप किस प्रकार से ले सकते हो किस प्रकार आप नस्ल प्रबंधन कैसे करें, पशु का स्वास्थ्य प्रबंधन कैसे आप करें। परजीवी रोग क्या होते हैं अगर आपका पशु इससे ग्रस्त हो तो आप उसको कैसे निदान करेंगे। फिर जैविक खेती की क्या विधियां हैं? सरकारी योजनाएं ऋण की सुविधाएं जो स्टेट डिपार्टमेंट ऑफ एनिमल हसबैंडरी है उसकी जो स्कीम हैं उनकी जानकारी आप तक पहुंचे। डॉ रूपसी तिवारी ने कहा कि ग्राम सिमरा अजूबी बिथरी चैनपुर में किसान मेला पहली बार लगाया है। इससे पहले भी हमने इस गाँव में कई प्रकार के कार्यक्रम किए हैं। इसके अतिरिक्त कृषि विज्ञान केंद्र किभी यहां पर समय-समय पर गतिविधियां चलती रहती हैं। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान द्वारा विकसित विभिन्न मोबाइल एप, यू ट्यूब तथा पॉडकास्ट द्वारा दी जाने वाली जानकारी के बारे में विस्तार से बताया।

इससे पूर्व संस्थान के वैज्ञानिकों जिनमें डॉ हीरा राम ने पशुओं में होने वाले परजीवी रोग तथा डॉ हरिओमपांडे द्वारा भैंसों कि उन्नत नस्लें, तथा डॉ के महेन्द्रन ने पशुओं बीमारी के बारे में विस्तार से बताया ।

इस अवसर पर किसानों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा विजयी किसानों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र दिये गए । मेला के सफल आयोजन में प्रसार शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ एच आर मीना, डॉ महेश चन्द्र, डॉ विश्वबंधु चतुर्वेदी, डॉ नेहा, श्री आर एल सागर डॉ शार्दूल आदि अधिकारियों का विशेष योगदान रहा।





